अनाव यक हिंसा सदैव वर्जनीय : आचार्य महाश्रमण

रतनगढ़ : 19 जनवरी 2011

आदमी यह सोचे कि दूसरों को पीड़ा पहुंचाना खुद को पीड़ा पहुंचाने जैसा है, दूसरों का कल्याण करना पवित्र कार्य है। परिवारों में भी हिंसा नहीं होनी चाहिए। परिवार में सहिश्णुता का भाव रहे, आपस में मैत्रीपूर्ण व्यवहार रहे तो वह परिवार स्वर्ग हो सकता है। अहिंसक चेतना का जागरण यदि पूरी दुनिया में हो जाए तो पृथ्वी पर भी स्वर्ग हो सकता है। जैन दादा बाड़ी के प्रांगण में राश्ट्रसंत युगप्रधान आचार्य महाश्रमण ने ''अहिंसक चेतना का जागरण'' विशय पर बोलते हुए उक्त विचार व्यक्त किये।

अनाव यक हिंसा सदैव वर्जनीय है। पृथ्वी पर प्राण, भूत, जीव व सत्व चारों प्रकार के जीवों को अ ांति व दुख सदैव अप्रिय रहे है। उन्होंने अहिंसा को सभी समस्याओं का निराकरण बताया। हिंसा के तीन प्रकार आरभंजा, प्रतिरोधजा व संकल्पजा बताते हुए कहा कि प्रथम आरभजा हिंसा व्यक्ति से खेती बाड़ी रसोई आदि बनाने में होती है। दूसरी प्रतिरोधजा यह राश्ट्र और समाज सुरक्षा के लिए, दे ा की प्रतिरक्षा हेतु सैनिकों को गोली चलानी पड़ती है पर यह फर्ज है। तीसरी संकल्पजा हिंसा संकल्प पूर्वक किसी को मारने या कश्ट पहुंचाने वाली किंसा है। यह ताज्य है, इससे व्यक्ति को बचना चाहिए।

उन्होने बताया कि आचार्य महाश्रमण ने कहा कि अहिंसा की भावना सभी में होनी चाहिए। अहिंसा नैतिकता आदमी अपना ले तो जीवन सार्थक हो जाता है। विद्यार्थियों को ज्ञान भाालाओं के माध्यम से अच्छे संस्कार दिये जा सकते है, बचपन से ही भावनात्मक विकास हो तो युवावस्था व प्रोढावस्था तक वह अच्छे संस्कार साथ देते है। उन्होने अहिंसा यात्रा का वि ोश उल्लेख करते हुए कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ ने पूरे दे ा में 7 वर्शों तक अहिंसा यात्रा की व नैतिकता का उपदे ा दिया।

इससे पूर्व अणुव्रत प्रभारी मुनि सुखलाल स्वामी ने कहा कि छोटे–छोटे अणुव्रत व्यक्ति को महान बना देते है पर भूख आदमी को हिंसा की ओर ना ले जाए यह भी अणुव्रत कार्यक्रमों का दायित्व होना चाहिए। स्थानीय अणुव्रत समिति के अध्यक्ष वैद्य बालकृश्ण गोस्वामी ने भी अणुव्रत व अहिंसा पर व अपने विचार व्यक्त किये और अणुव्रत के 150 भरे हुए फार्म आचार्यश्री को दिये। कार्यक्रम का भाुभारंभ कन्यामंडल के मंगलाचरण से हुआ। डालचन्द व तिलोकचन्द सिपाणी ने 24 तीर्थंकरों की स्तुति प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन प्रमोद पांडिया ने किया।

रणजीत दूगड़
संयोजक मीडिया समिति
+91 9831017467
rs_dugar@yahoo.com